

| | |
|--|----|
| <i>Krása člověku</i> (1918) | 9 |
| <i>Za matkou</i> (1930) | 10 |
| <i>Chvála rodiček</i> (1927) | 11 |
| <i>Chvála umírajícího</i> (1933) | 12 |
| <i>Chvála lékaře</i> (1933) | 14 |
| <i>Chvála starého pastýře</i> (1935) | 16 |
| <i>Chvála majáku</i> (1927) | 18 |
| <i>Věštkyňe</i> (1934) | 19 |
| <i>Tulák veleměst</i> (1929) | 20 |
| <i>My proti sobě stáli ...</i> (1932) | 21 |
| <i>Noc na periférii</i> (1930) | 22 |
| <i>Princezně z čtvrti tovární</i> (1924) | 23 |
| <i>Předsvit</i> (1926) | 25 |
| <i>Košůty</i> (1921) | 26 |
| <i>Vstaň, Samsone ...</i> (1932) | 28 |
| <i>Před Svätým Duchem</i> (1924) | 29 |

Jdou, jdou, utopenky ...

| | |
|--|----|
| <i>Hudba za řekou</i> (1930) | 33 |
| <i>Milosrdenství</i> (1931) | 34 |
| <i>Již unikalas mně ...</i> (1920) | 35 |
| <i>Čas Proserpinin</i> (1920) | 36 |
| <i>Prstýnek</i> (1935) | 38 |
| <i>Jdou, jdou, utopenky ...</i> (1930) | 39 |
| <i>Za třemi mrtvými</i> (1932) | 40 |
| <i>Ženská podobizna</i> (1930) | 42 |
| <i>Za jednou mrtvou</i> (1934) | 43 |
| <i>Jak za tebou</i> (1936) | 45 |
| <i>Pastýřko mrtvých let ...</i> (1936) | 46 |
| <i>In memoriam</i> (1936) | 47 |

Niké bezkřídla

| | |
|---|----|
| <i>Niké</i> (1886) | 48 |
| <i>Niké bezkřídla I, II, III</i> (1933) | 51 |

Chromý kurýr

| | |
|---|----|
| <i>Šibenice</i> (1888) | 59 |
| <i>Česká píseň</i> (1888) | 60 |
| <i>Píseň trpícího v městě</i> (1912) | 61 |
| <i>Tři mosty</i> (1912) | 62 |
| <i>Muka zraku</i> (1912) | 64 |
| <i>Všebod i návrat</i> (1917) | 65 |
| <i>Pobled vzhůru</i> (1924) | 66 |
| <i>Bobonosič</i> (1925) | 68 |
| <i>Leč nejvíc mučí křidel pahýly ...</i> (1927) | 69 |
| <i>Teď zraje čas ... III, V</i> (1927) | 70 |
| <i>Přestupná stanice</i> (1928) | 71 |
| <i>Den a noc</i> (1929) | 71 |
| <i>Z obnivé slunečné růže ...</i> (1929) | 72 |
| <i>Přípítek poslední</i> (1929) | 72 |
| <i>Mimózy květe sirmý</i> (1930) | 73 |
| <i>Jitro se budí</i> (1930) | 73 |
| <i>Laskavý podzim</i> (1931) | 74 |
| <i>Již den se chýlí k večeru ...</i> (1931) | 74 |
| <i>A jseš jako člověk zmámený ...</i> (1931) | 75 |
| <i>A slunce studené úkosem hledí ...</i> (1931) | 76 |
| <i>Prorok zpronevěřilý</i> (1932) | 77 |
| <i>Dnes a tebdy</i> (1932) | 78 |
| <i>Otázka</i> (1932) | 80 |
| <i>Záchvěv hrůzy</i> (1933) | 80 |
| <i>Návrat</i> (1933) | 81 |
| <i>Stežka žalu</i> (1935) | 81 |
| <i>Ocúny</i> (1935) | 82 |
| <i>Zimní</i> (1935) | 82 |
| <i>Z úzkosti</i> (1935) | 83 |
| <i>Zraněný pramen</i> (1936) | 83 |
| <i>Již není léta ...</i> (1935) | 84 |
| <i>Svědek</i> (1936) | 85 |
| <i>S novým jarem</i> (1936) | 86 |
| <i>Mladý poutník</i> (1936) | 87 |

| | |
|--|----|
| <i>Doslov (Jan Adam)</i> | 88 |
| <i>Ediční poznámka</i> | 93 |
| <i>Karel Svobolinský F. X. Šaldovi</i> | |
| <i>(Jiří Oldřich)</i> | 95 |